## सांघिक गीत (9)

गांव गांव हर घर आंगन का
मिलकर नव निर्माण करें
अखिल विश्व भारत माता की
जय जय का गुणगान करें ।।
संस्कारों की शिक्षा हो जब
धर्म ध्वजा की छाव तले
संघर्षों का अंत करें जब
राग द्वेष दुर्भाव मिटे
ऊंच नीच का भेद मिटे तब
समरसता का दीप जले ।।१।। गांव गांव..
नारी शक्ति जगे जहां पर
संस्कारों की राह बने
स्वावलंबी बनकर अपने
गांवों का उत्थान करें
सज्जन शक्ति तरुणाई मिल
नवयुग का आह्वान करें ।।२।। गांव गांव ..
अमृत निपजेगी जब धरती
रोग मुक्त होगा जीवन
गो संवर्धन ,योग ध्यान से
स्वस्थ रहेगा यह तन मन
वृक्षारोपण जल संरक्षण
निर्मलता का ध्यान करें ।।३।। गांव गांव..
निर्भय होगा गांव हमारा
सुख दुख में हम साथ रहे
संगठन शक्ति का ध्वज लेकर
चलना होगा आज हमें
सारा विश्व देख भारत को
भारत का सम्मान करें।।४।। गांव गांव..